विज्ञान सम्बन्धी पत्रिकाओं के बारे में राष्ट्रीय नीति

3183. श्री प्रकाश वीर शास्त्री :
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री रामवतार शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में विज्ञान संबंधी पत्र-पत्रिकाओं की अब उतनी कमी नहीं रही है जितनी कि पिछले वर्ष थी ;

(ख) क्या तकनीकी विषयों तथा विज्ञान सम्बन्धी पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन के सम्बन्ध में सरकार का विचार एक राष्ट्रीय नीति बनाने का है ; और

(ग) क्या सरकार इस सम्बन्ध में अपनी नीति बनाते समय इस बात पर विचार करेगी कि इन पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रादेशिक भाषाओं में भी किया जाये ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुण सेन) : (क) वैज्ञानिक पत्र-पत्रिकाएं, अनेक वैज्ञानिक संस्थाओं तथा सरकारी विभागों द्वारा प्रकाशित की जाती हैं । पिछले और इस वर्ष प्रकाशित ऐंसी पत्र-पत्रिकाओं के सम्बन्ध में निश्चित सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है ।

(ख) और (ग). मामला विचाराधीन है ।

कारों के चोर

3184. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री रामगोपाल शालवाले :
श्री प्रकाश वीर शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री आत्म दास :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :
श्री स्वेल :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कारों के चोरों के उस गिरोह का पता लगा लिया है जो दिल्ली से कारें चुराकर नेपाल में बेचा करता था ;

(ख) यदि हां, तो सम्बन्धित लोगों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) चोरी की गई कितनी कारें उनसे बरामद की गई हैं ;

(घ) क्या कुछ राजनीतिक लोगों का सम्बन्ध भी इस गिरोह के साथ था ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल): (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) अब तक गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच चल रही है ।

(ग) गिरोह ने 10 कारों की चोरी का सुराग दिया । इनमें से तीन पहले ही मिल गई हैं । इनके पुर्जे निकाल कर छोड़ दिया गया था और शेष सात का नैपाल में बेंचे जाने की सूचना मिली है ।